



अभ्यास पत्रक

पाठ – साना-साना हाथ जोड़ि

नाम :-

अवधि :-

अनुक्रमांक :-

प्राप्तांक :-

प्रश्न 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

1. 'साना-साना हाथ जोड़ि' किस प्रकार की रचना है?
(क) निबंध (ख) आत्मकथा (ग) यात्रा-वृत्तांत (घ) संस्मरण
2. 'साना-साना हाथ जोड़ि' में यात्रा किस राज्य की है?
(क) उत्तराखंड (ख) सिक्किम (ग) हिमाचल (घ) अरुणाचल
3. 'गाइड' फिल्म की शूटिंग किस स्थान पर हुई थी?
(क) लायुंग (ख) यूमथांग (ग) कटाओ (घ) कवी-लॉग स्टॉक
4. लेखिका के अनुसार 'प्रेयर व्हील' से क्या होता है?
(क) मन शांत होता है (ख) भगवान मिलते हैं
(ग) सारे पाप धुल जाते हैं (घ) जीवन में सफलता मिलती है
5. लेखिका ने किस स्थल को 'भारत का स्विट्जरलैंड' कहा है?
(क) यूमथांग (ख) कटाओ (ग) लायुंग (घ) झांगू लेक

प्रश्न 2: रिक्त स्थान भरें – (1×2 = 2 अंक)

1. लेखिका ने बर्फ से ढके पहाड़ों को _____ से चमकते देखा।
2. तिस्ता नदी का जल लेखिका के लिए _____ का प्रतीक था।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30–40 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. यूमथांग की यात्रा के दौरान लेखिका ने क्या-क्या प्राकृतिक दृश्य देखे?

उत्तर -
.....
.....

2. 'सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल' देखकर लेखिका के मन में क्या भावना उत्पन्न हुई?

उत्तर -
.....
.....

3. लेखिका को पहाड़ की महिलाओं के जीवन से क्या सीख मिलती है?

उत्तर -
.....
.....

4. 'साना-साना हाथ जोड़ि' प्रार्थना का लेखिका के मन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर -
.....
.....





उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ग) यात्रा-वृत्तांत
2. (ख) सिक्किम
3. (घ) कवी-लॉग स्टॉक
4. (ग) सारे पाप धुल जाते हैं
5. (ख) कटाओ

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. चाँदी
2. जीवन की शक्ति

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. लेखिका ने यूमथांग की यात्रा के दौरान ऊँचे पर्वत, वादियाँ, जलप्रपात, फूलों से भरे मैदान और तिस्ता नदी की सुंदरता को देखा।
2. लेखिका को लगा जैसे वह अपनी बुराइयाँ उस निर्मल जल में बहा रही हों; भीतर आत्मिक शांति का अनुभव हुआ।
3. लेखिका ने पहाड़ की महिलाओं में श्रम, साहस, मातृत्व और जीवन को स्वीकार करने की शक्ति देखी।
4. नेपाली युवती की प्रार्थना लेखिका के मन में अच्छाइयों के प्रति समर्पण और शुद्धता की भावना भर देती है।

प्रश्न 4 – गद्यांश आधारित उत्तर:

1. लेखिका यूमथांग की ओर यात्रा कर रही थीं।
2. पर्वत शिखर, जलप्रपात और तिस्ता नदी का सौंदर्य वर्णित है।
3. लेखिका रोमांचित और आत्मविभोर थीं।
4. झरने की गति और रंग को 'दूध की धार' की उपमा दी गई है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तरीय उत्तर संकेत:

- लेखिका ने इस यात्रा में हिमालय की अद्भुत प्राकृतिक छटा को देखा, पर साथ ही पहाड़ की कठोर जीवनशैली, संघर्ष और सौंदर्य के बीच श्रम को भी समझा।
- उन्हें आम जनता की पीड़ा और सेवा-भाव का गहरा अनुभव हुआ।
- यात्रा ने उनके भीतर संवेदना, विनम्रता और आध्यात्मिकता को जगाया।
- उन्होंने 'साना-साना हाथ जोड़ि' जैसी प्रार्थनाएँ सीखीं, जिससे आत्मिक शांति का अनुभव किया।
- लेखिका ने प्रकृति को केवल दृश्य नहीं, बल्कि जीवन के दर्शन की तरह ग्रहण किया।